हिन्दी, कक्षा–1 के लिए सीखने–सिखाने सम्बंधी अपेक्षाएँ
(अधिगम परिणाम/लर्निंग आउटकम)

बच्चे–

- ❖ विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते जैसे– कविता–कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना और प्र नों के जवाब देना, निजी अनु को साझा करना आदि।
- ❖ सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।
- ❖ भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे– अक्कड़–बक्कड़, ओका–बोक
- ❖ प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर–प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफ़िक्स) में अंतर करते हैं।
- ❖ चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।
- ❖ चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक स या कहानी को सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- ❖ पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।
- ❖ संदर्भ की मदद से आस–पास मौजदू प्रिंट के अर्थ और उद्दे य का अनुमान लगाते हैं, जैसे– टॉफ़ी कवर पर लिखे नाम को 'टॉफ़ी ', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।
- ❖ प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजदू अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे– 'मेरा विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/'नाम' में में 'म' अँगुली रखो।
- ❖ परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे– मिड–डे मील का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनप किताब का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे– केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लग अक्षर–ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल क हुए अनुमान लगाना।
- ❖ हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- ❖ स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।
- ❖ लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनसुार चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखा (कीरम–काटे), अक्षर–आकृतियों, स्व–वर्तनी (इंनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व–नियंत्रित लेखन (कनवैंश राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं
- ❖ स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे– पेड़ का चित्र बनाकर उसके नीचे पेड़ या लिखना।

कक्षा–1	अंकुर			हिन्दी	
क्रम संख्या	पाठ	दिवस	वर्ण	मात्रा	दिन
1.	हँसते–खेलते	01–13			13
2.	हमारा गाँव (चित्रपठन)	14–19			06
3.	हमारा शहर (चित्रपठन)	20–26			05
4.	प्रार्थना (कविता)	27–29			03
5.	आओ खेलें खेल (चित्रपठन)	30–35			06
6.	चंदा मामा (कविता)	36–51	च, क, ल, म, द, थ	'आ' और 'इ' की मात्रा (ा, ि ी)	15
7.	धम्मक–धम्मक (कविता)	52–67	ग, ह, त, घ, छ, ज	'उ','ऊ' और 'ओ' की मात्रा (ा, ि ी)	15
8.	पुनरावर्तन	68–72			05
9.	पतंग (कविता)	73–87	प, श, ख, र, फ, ट, ढ	'ए' की मात्रा (े)	14
10.	मन करता है (कविता)	88–103	ध, ष, न, ब, स, ड, य, झ	'ऐ' की मात्रा (ै)	15
11.	पुनरावर्त्तन	104–108			05
12.	आलू का पराठा (कविता)	109–124	भ, ण, ठ, व, क्ष, त्र, ज्ञ, श्र,ड़	'औ' की मात्रा (ौ)	15
13.	पटना का चिड़ियाघर (चित्रपठन)	125–131	अ, इ, उ, ए		05
14.	चालाक चीकू	132–142	आ, ई, ऊ, ऐ		10
15.	पुनरावर्तन	143–147			05
16.	हरे–पेड़ (वार्तालाप)	148–159	चंद्रबिन्दु संयुक्ताक्षर (समान व असमान अक्षर)		10
17.	लालची कुत्ता (चित्रकथा)	160–171	अनुस्वार, संयुक्त 'र'		10
18.	दो दोस्त (कहानी)	172–183			10
19.	शेर और सियार (कहानी)	184–195			10
20.	पुनरावर्त्तन	196–200			05